भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3137
दिनांक 21 दिसम्बर, 2023

एमएस और एचएसडी की घरेलू मांग

†3137. श्री मारगनी भरत :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय के दिनांक 08/11/2019 के संकल्प के अंतर्गत स्थापित निजी तेल विपणन कंपनियों की एमएस और एचएसडी आवश्यकता को घरेलू मांग माना जाता है;

(ख) यदि हां, तो क्या एमएस और एचएसडी का निर्यात करने से पहले सरकारी क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा ऐसी घरेलू मांग को पूरा नहीं किया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा घरेलू मांग को पूरा करने के बाद बचे हुए एमएस और एचएसडी के निर्यात का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने सरकार को सूचित किया है कि प्राधिकृत नई कंपनियों ने एमएस और एचएसडी की आपूर्ति के लिए अनुरोध के साथ उनसे संपर्क किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री रामेश्वर तेली)

(क) से (घ) दिनांक 08.11.2019 के संकल्प के माध्यम से, सरकार ने खुदरा और थोक व्यापार के लिए निजी क्षेत्र सहित नई कम्पनियों को एमएस और एचएसडी जैसे परिवहन ईंधन के विपणन के लिए प्राधिकार प्रदान करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (पीएसयू ओएमसीज) ने बताया है कि दिनाँक 08.11.2019 के विपणन संकल्प के अन्तर्गत प्राधिकृत नई कंपनियों ने एमएस और एचएसडी की आपूर्ति के अनुरोध के साथ उनसे संपर्क किया है। तथापि, उक्त संकल्प के अन्तर्गत परिवहन ईंधन के विपणन का प्राधिकार, नई प्राधिकृत कंपनियों को परिवहन ईंधन की बिक्री/आपूर्ति करने के लिए पीएसयू ओएमसीएस पर कोई दायित्व/प्रतिबद्ध नहीं करता है। इसके अलावा, डीजीएफटी की दिनांक 30.06.2022 और 01.04.2023 की अधिसूचनाओं के अन्तर्गत, पीएसयू ओएमसीज सहित तेल कंपनियाँ संबंधित वित्त वर्ष के दौरान घरेलू बाजार में संबंधित शिपिंग बिलों में एमएस का 50% और एचएसडी का 30% आपूर्ति करने के लिए केवल बाध्य हैं।

वर्ष 2022-23 के लिए पीएसयू ओएमसीज (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल) द्वारा एमएस और एचएसडी के निर्यात का विवरण निम्नानुसार है :-

(हजार मीट्रिक टन में)

उत्पाद	वर्ष 2022-23
एमएस	757
एचएसडी	1607

तथापि, रिफाइनरी के बंद होने, मौसम के प्रभाव, घरेलू माँग-आपूर्ति की स्थिति आदि के आधार पर निर्यात की मात्रा वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भिन्न-भिन्न हो सकती है।

*****